



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1

PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2]

नई विश्वी, गुरुवार, जनवरी 16, 1987/पौष 26, 1908

No. 2]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 1987/PAUSA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

निरीक्षोदय सहायक आयकर अधिनियम, अर्जन रेज,

हैदराबाद, 31 दिसम्बर, 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचनाएं

निर्वेश सं० आर. ये. सी. नं. 18/86-87 :—यतः  
मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269व के अधीन  
संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-  
रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुड़ला  
पोचमरली (ब्हो) स्थित है (और इससे उपाखद ग्रन्तुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मेडब्ल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986  
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए रजिस्ट्रेशन विनेश के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण

है कि यथा पूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में  
लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11). या आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और, यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्ववत् सम्पत्ति में

अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा प्रभिन्नियत किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

- (1) श्री जी. रामकृष्ण रेडी पिता बाल रेडी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम, सिकदराबाद।
- (2) श्री जी. महेंद्र रेडी पिता जी. रामकृष्ण रेडी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
- (3) मैसर्स अभिशेक स्टील लि०, 72 पैग कोलनी, सिकदराबाद; बाइ डायरेक्टर्स, गोपाल आगरवाल पिता बिद्राबान आगरवाल, और अभिशेक आगरवाल पिता प्रल्हाद राध आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाब गंज, हैदराबाद—500002 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तास्थरी के पास लिंगेत्र में किए जा सकें।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को तुनवाई के समर सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनाय में विद्याया है।

#### अनुसूची

बंजरकुण्ड मूलि सर्वे नं. 72, और 73, विस्तीर्ण 4 एकड़, और 10 गृहे, गूडला पोखमपल्ली, मेडचल, जिला रंगारेडी, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

तारीख : 31-12-1986

सूची :

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 31st December, 1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D [1] OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 [43 of 1961]

Ref. No. 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 land bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal, on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri G. Ramakrishana Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No.11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad.

2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishana Reddy H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad.

(Trasferor).

2. M/s. Abhishek Steels Limited,  
Office at 72, Paigah Colony,  
Secunderabad-500 003.

Represented by its Directors,  
Shri Gopal Agarwal,  
S/o Shri Bindraban Agarwal,  
H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and  
Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad  
Rai Agarwal No. 21-1-390, Rikab Gunj,  
Hyderabad-500 002. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**Explanation:-**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

## SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres and Ten Guntas (4-10) situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District-registered by the sub Registrar, Medchal—vide document No. 2594/86.

Dated : 31-12-1986

Seal : Hyderabad

निदेश सं० आर. ए. सी. नं० 18/86-87 :—यतः, मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुडला पोखम-पल्ली (लही) स्थित है (और इससे उतावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रेक्ट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निवित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने के लिए सुकर बनाना।

और, यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत् सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जी. रामोरेडी पिता बाल रेडी, और
- (2) श्री जी. श्रीनिवास रेडी पिता रामी रेडी घर नं. 9-89, वुरटोंगुडा, सिक्किराबाद।
- (3) श्रीमति ठी. भारती पति ठी. जगदीन रेडी, संतोषनगर कालोनी, हैदराबाद
- (4) श्रीमति वो. सूगूना पति वो. जगदीन रेडी, आलीबाबाद, हैदराबाद
- (5) श्रीनति एन. स्वरूपा पति श्री मीना रेडी, जंगमेटु, फलमनूमा, हैदराबाद
- (6) श्रीमति पि. बसंता पति पि. प्रताप रेडी, बोड्गाल, मेडचल तालुक, जिला रेंगारेडी

(अन्तरक)

- (1) मैसर्स अभियोक स्टील लि., 72, पैग कालोनी, सिक्किराबाद-3, रीप्रेजेंटेड बाई गोगाल अगरवाल, पिता बींद्राबान अगरवाल, 72 पैग कालनी, सिक्किराबाद।
- (2) श्री अरोन अगरवाल पिता, प्रलहाद राइ अगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाव गंज, हैदराबाद-500002

को यह सूचना जारी कर के पूर्वान्तर तनाति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो सो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वान्तर परा के अधीन सूचना दी गई है

आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिखाया है।

### अनुसूची

बंजर कृषि भूमि विस्तीर्ण 4 एकड़, सर्वे नं. 71 और 72 गूँडला पोखमपल्ली अहोलेज, मेडचल मंडल, जिला रंगारेडी, रजिस्ट्रीकृत विलेज नं. 2593/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

सारंख : 31-12-86

सोल :

Ref. No. 18/1986-87 :—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri G. Rami Reddy, S/o Shri Bal Reddy H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
2. Shri G. Sreenivasa Reddy, Son of Shri Rami Reddy, H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
3. Smt. T. Bharathi, W/o : Shri T. Janardhana Reddy, Santoshnagar Colony, Hyd.;
4. Smt. B. Suguna, W/o: Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad;
5. Smt. N. Swaroopa, W/o : Shri Meena Reddy, Jangamettu, Falknaura, Hyd.;
6. Smt. P. Vasantha, W/o : Shri P. Pratapa Reddy, Boduppal, Medchal tk. Distt. Ranga Reddy, Hyderabad.

(Transferors)

1. M/s. Abhishek Steels Ltd., Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003.

Represented by : 1, Shri Gopal Agarwal, son of Shri Bindraban Agarwal, No..72, Paigah Colony, Secunderabad.

2. Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500002.

(Transferees)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned.) :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**Explanation:**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

### SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of Survey Nos. 71 and 72 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochamaply Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—vide document No. 2593/86.

Date : 31-12-1986

Seal :

निर्देश सं० 18/1986-87 :—यह मुझे, टी.गोरखनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमी है, जो गुडला पोचमपल्ली विलेज स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, मैडचल में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अप्रैल, 1986 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रिकूल विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या

किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिसूचित किये गए हैं।

अतः आव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डॉ. जी. वालकृष्ण रेड्डी पिता लेट जी. वाल रेड्डी, 9/103/2, घूरटोंगडा, बीलारम, सिकदराबाद।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स अशोक स्टीलस लि., वैग कालोनी, सिकदराबाद-500003, रीप्रेजेंटेंड वाई डायरेक्टर, श्री गोपाल आगरवाल पिता श्री विन्द्राबान आगरवाल, रेसीडेंट नं. 72, वैग कालोनी सिकदराबाद, 3, और श्री अशोक आगरवाल, पिता श्री प्रलहाद राध आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रोकाबगज, हैदराबाद-500002. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसे आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

### अनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं. 71, विस्तीर्ण दो एकड़ गुडला पौचमपल्ली, खिलेज, मेडचल मण्डल, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीलूट नं. 2590/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मेडचल।

तारीख 31-12-86

संलेख :

Ref. No. 18/1986-87 :—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on Apr. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957) ;

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Dr. G. Balakrishna Reddy, S/o Late G. Bal Reddy 9/103/2, Burtonguda, Bolaram, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003, represented by its Directors,

(Transferee)

(2) Shri Gopal Agrawal, S/o : Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003 & Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab gunj, Hyderabad-500 002.  
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**Explanation :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing part of survey No. 71, and measuring two acres

situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District, Andhra Pradesh, registered by the Sub-Registrar, Medchalvide document No. 2590/86.

Date : 31-12-1986

Seal : Hyderabad

निदेश सं० आर० ये० सो० नं० 18/86-87.—  
यह: मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सम्बन्ध प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि है, जो मंडला पौवमपल्ली (वही) स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मेड्चल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेज के अनुसार अन्तरिति की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरित दारा प्रकट नहीं किया गया या यां किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और तब आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी. रामा रेड्डी और

(2) श्री जी. श्रीनिवास रेड्डी,

पिता श्री बाल रेड्डी, 9/89, गूरुगौड़ा, बोलारम, सिक्किमद्वाबाद,

(3) श्रीमति दी. भारती पति जनाधन रेड्डी संतोष-  
नगर, सहदाबाद, हैदराबाद.

(4) श्रीमति बि. सूर्यना पति बि. जनाधन रेड्डी,  
श्रीनीवासाद, हैदराबाद

(5) श्रीमती यन, स्वरूपा पति यन. मीना रेड्डी,  
जंगामोटू, फलकनूमा, हैदराबाद

(6) श्रीमति पि. वसंता पति पि. प्रताप रेड्डी,  
बेडडपाल, मेडचल तालूक (अन्तरक)

2. मैसर्स अभिशेक स्टील लि.

72, पैग कालोनी, बाई (1) श्री गोपाल अग्रवाल  
पिता विवरान अग्रवाल, रेसीडेंस 72, पैग कालोनी,  
सिंधुदराबाद

(2) अशोक अग्रवाल पिता प्रलहाद राज अग्रवाल,  
रेसीडेंस नं. 21-1-390, रकाबगंज, हैदराबाद  
-500 002 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि  
इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर  
में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए  
तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना  
हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरित को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि  
हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना की  
गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए  
अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिखाया  
है।

### अनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वेनं 71 और 72, विस्तीर्ण 4 एकड़,  
गूडला पोचमपल्ली ल्हीलेज, मेडचल, जीला रंगारेड्डी,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2559/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मेडचल।

तारीख : 31-12-86

मुहर : हैदराबाद

Ref. No. 18/1986-87 :—Whereas, I, T. GORAKNATHAN being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli(V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957) :

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. Rami Reddy,
- (2) Shri G. Sreenivasa Reddy  
Sons of Late Shri Bal Reddy,  
9/89, Burtonguda, Bolaram,  
Secunderabad.
- (3) Smt. T. Bharathi,  
W/o Shri Janardhan Reddy,  
Santosh Nagar, Saidabad,  
Hyderabad.
- (4) Smt. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan  
Reddy,  
Aliabad, Hyderabad.
- (5) Smt. N. Swaroopa,  
W/o Shri N. Meena Reddy,  
Jangameetu, Falaknuma,  
Hyderabad.
- (6) Smt. P. Wasantha,  
W/o. Shri P. Pratap Reddy,  
Bodduppal, Medchal Taluk.

(Transferors)

2. M/s. Abhishek Steels Limited,  
Office situated at 72, Paigah Colony,  
Secunderabad-500 003.

Represented by : 1. Shri Gopal Agarwal,  
S/o Shri Bindraban Agarwal,  
Resident of No. 72, Paigah Colony,  
Secunderabad.

- (2) Shri Ashok Agarwal,  
S/o Shri Prahalad Rai Agarwal,  
Resident of No. 21-1-390, Rikab Gunj,  
Hyderabad-500 002.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

### SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of survey Nos. 71 and 72 admeasuring four acres situated at Gundla Pochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District registered by the Sub-Registrar, Medchal—vide document No. 2559/86

Dated : 31-12-1986

Seal : Hyderabad

निर्देश सं. आर. ये. सी. न. 18/86-87 :—यहः, मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपय से अधिक है और जिसकी भूमि है, जो गुड्लापोचमपल्ली(ज्ही) स्थित है (और इससे उपब्रह्म प्रतुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निर्धारित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत् संपत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियमित किये गए हैं।

अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जनतः—

(1) श्री जी. रामकृष्ण रेडी पिता बाल रेडी, घर नं. 11-24, बूरटोगूडा, बोलरम, सिकन्दराबाद

(2) श्री जी. महेंद्र रेडी पिता जी. रामकृष्ण रेडी, घर नं. 11-24, बूरटोगूडा, बोलरम, सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)

(3) मैसर्स अभीशेंक स्टोल लि., 72, पैग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, रीप्रजेटेड बाइ डियरेक्टर्स, गोपाल आगरवाल घर नं. 72, पैग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, और श्री अशोक अग्रवाल पिता प्रह्लाद राय आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाबगंज, हैदराबाद-500002.  
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हैं। उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निपत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत् पैर के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

### अनुसूची

बंगर भूमि, सर्वे नं. 72 अ० 73, वित्तीर्ण 4 पृष्ठ, गुडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल, जीला रेंगारेडी रजिस्ट्री-कृत विलेख नं. 2558/86 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

(ट) गोरखनाथन) सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 31-12-1986

Ref. No. 18/1986-87.—Whereas, I., T. Goraknathan being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property.

in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me;

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Ramakrishna Reddy S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad

(2) Shr G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad. (Transferor)

2. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003, represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390 Rikabgunj, Hyderabad-500 002. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—Vide document No. 2558/86.

T. GORAKNATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad(A. P.)  
Date 31-12-1986  
Seal : Hyderabad.

